

प्रेस विज्ञप्ति

भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान में 98वाँ स्थापना दिवस का सीधा प्रसारण धूमधाम से मनाया गया

मेरठ (16 जुलाई, 2026): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के 98वें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ अशोक कुमार मोहंती के निर्देशन में भाकृअनुप-केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ द्वारा सम्मेलन कक्ष एवं समिति कक्ष में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत "किसान शैक्षणिक भ्रमण एवं किसान-वैज्ञानिक संवाद" का आयोजन हुआ, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से आए 180 किसानों तथा संस्थान के 120 अधिकारियों, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के 98वें स्थापना दिवस समारोह तथा माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार के संबोधन के सीधा प्रसारण के साथ हुआ। संस्थान के सम्मेलन कक्ष एवं समिति कक्ष में उपस्थित समस्त वैज्ञानिकों, तकनीकी एवं प्रशासनिक अधिकारियों, वित्त अधिकारियों, सहायक कर्मचारियों, यंग प्रोफेशनल (YP), संविदा कर्मियों एवं विद्यार्थियों ने सीधे प्रसारण को देखा। माननीय मंत्री जी ने अपने संबोधन में देश के कृषि एवं पशुधन के सर्वांगिक विकास में परिषद् के अभूतपूर्व योगदान को रेखांकित किया।

समारोह के द्वितीय सत्र में संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. ए. एस. सिरोही द्वारा "एल नीनो का गोवंश उत्पादन पर प्रभाव" विषय पर एक जागरूकता व्याख्यान दिया गया। उन्होंने किसानों को बदलते जलवायु परिवेश में दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य, पोषण प्रबंधन, आकस्मिक योजना और उन्नत डेरी तकनीकों की जानकारी प्रदान की। व्याख्यान के उपरांत आयोजित किसान-वैज्ञानिक संवाद सत्र में विशेषज्ञों ने पशुपालकों की समस्याओं का व्यावहारिक समाधान सुझाया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में दोपहर 4:00 बजे अनुसूचित जाति उपयोजना योजना के नोडल अधिकारी डॉ संजीव कुमार वर्मा, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा किसान भाइयों को कृषि एवं पशुपालन से संबंधित इनपुट सामग्री का वितरण किया गया। संस्थान के निदेशक एवं अधिकारियों ने कार्यक्रम के अंत में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षा रोपण किया एवं इसे सफल बनाने के लिए उपस्थित सभी किसानों तथा संस्थान परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समन्वयक डॉ संजीव कुमार वर्मा, प्रधान वैज्ञानिक एवं डॉ नरेश प्रसाद वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।